करके, हम जो पैसा medicinal plants के plantation के लिए देते हैं, इसकी मदद लेकर, राज्य सरकार बहुत से medicinal plants का plantation कर सकती है। यह 75:25 के आधार पर हम 75 per cent पैसा राज्य सरकार को देते हैं। मेरे ख्याल से इसी से हम medicinal plants का plantation बढ़ा सकते हैं।

SHRI P. BHATTACHARYA: Sir, it has been stated that the Corporation conducts motivational programmes for farmers such as conducting group meetings of farmers, participating in *kissan melas*, etc. That is fine. How much monetary benefit is being got by the farmers? यह जो change हो रहा है, इसमे farmers को क्या फायदा होता है, उन्हें क्या monetary फायदा होता है, यह बताइए ?

**श्री श्रीपद यसो नायकः** माननीय सभापति जी, scheme के अन्तर्गत हम 75 per cent subsidy उनको देते हैं, पैसा देते हैं। वह recoverable नहीं है। हम उनसे वापस कुछ भी नहीं लेते हैं। यही तो उनके लिए एक बड़ी मदद है। इसीलिए हम चाहते हैं कि जिस तरह का raw material चाहिए, वह हम उनको लगाने के लिए बोलते हैं और उसका buyback भी करते हैं। यही किसान के लिए फायदेमंद बात है।

SHRI PALVAI GOVARDHAN REDDY: Sir, manufacture of AYUSH drugs is one part and marketing of such drugs is another part. If you look at the homoeopathy market, it is to the tune of ₹3,000 crore. And if you look at its cost closely, only 10 per cent of it is in the organized sector. So, I would like to know from the hon. Minister what efforts his Ministry is making to bring homoeopathy sector into an organized one and market our products to other countries. Lastly, what efforts his Ministry is making to sell all our AYUSH products in the world under one Indian brand?

**श्री श्रीपद यसो नायकः** सर, आयुष में जो पाँच पैथीज़ हैं, उनमें होम्योपैथी भी है। हमारी प्रायः सभी जो पैथीज़ हैं, उनको मदद करके उनकी जो मेडिसिंस हैं, वे सभी लोगों को मिलें, इसके लिए हम प्रयत्नरत हैं। यह क्वेश्चन जो होम्योपैथी के बारे में पूछा गया है, इसके बारे में अभी मेरे पास डिटेल्स नहीं हैं। वह मैं बाद में आपको दे दूँगा।

*94. [The Questioner (SHRIMATI SAROJINI HEMBRAM) was absent]

**Medicine for jaundice patients**

*94. SHRIMATI SAROJINI HEMBRAM: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government has directed the Health Department authorities of various States to prescribe any specific medicines for the patients of jaundice in different places of the country; and

(b) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI JAGAT PRAKASH NADDA): (a) and (b) No, Sir. No directions have been issued by the Ministry of Health and Family Welfare to various States regarding specific medicines for patients with jaundice. Jaundice could be because of various causes; such as viral hepatitis (due to hepatitis A & E and B & C), alcoholic hepatitis (due to alcohol abuse), drug induced hepatitis (reaction to drugs) or due to obstruction to bile flow (stone of cancer). The treatment and drugs would differ for each cause.

MR. CHAIRMAN: Question No.94; the Questioner is not present. Let the answer be given.

SHRI JAGAT PRAKASH NADDA: The reply is, "No, Sir. No directions have been issued by the Ministry of Health and Family Welfare to various States regarding specific medicines for patients with jaundice. Jaundice could be because of various causes; such as viral hepatitis (due to hepatitis A & E and B & C), alcoholic hepatitis (due to alcohol abuse), drug induced hepatitis (reaction to drugs) or due to obstruction to bile flow (stone of cancer). The treatment and drugs would differ for each cause."

**श्री अजय संचेतीः** सर, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह जानना चाहूँगा कि क्या हमारे देश में पिछले पाँच सालों से पीलिया के रोगियों की संख्या बढ़ रही है या कम हो रही है? उसको कम करने के लिए सरकार क्या उपाय कर रही है?

**श्री जगत प्रकाश नड्डाः** इस तरीके का आंकड़ा एकदम तुरन्त तो मैं नहीं दे सकता, लेकिन एक बात जरूर बता सकता हूं कि जहां तक पीलिया रोग की रोकथाम का सवाल है, उसमें effective monitoring जरूर हो रही है, नम्बर वन। नम्बर टू- उसकी effective medicines हैं। जहां तक water contamination का सवाल है, उसके कारण ए और ई टाइप की Hepatitis होती है, इसलिए water purification की दृष्टि से Municipal Corporations को, उनको support करना और उसकी दृष्टि से उनको sensitize करना, यह हमारी जिम्मेदारी होती है, जो हैल्थ एजेंसीज के द्वारा हम करते हैं। एक हमारी NCDC के द्वारा एक Surveillance Programme भी चल रहा है for Viral Hepatitis under the National Centre for Disease control, तो उसके तहत भी हम वॉटर प्योरिफिकेशन की दृष्टि से सर्विलेंस करते हैं।

Under the Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP), which is there in approximately 670 districts, each district has got a centre where we keep a close watch. If there is any epidemic because of viral Hepatitis, that is, because of Hepatitis A or Hepatitis E, और उसी तरीके से हम वाटर कंटेमिनेशन को रोकने का प्रयास करते हैं। जहां तक ब्लड के थ्रू Hepatitis बी और सी का ट्रांसफर होता है। For every blood transfusion, it is mandatory that the blood should be checked; every unit should be checked and we are doing that very seriously, और इसलिए उस ट्रांसफ्यूजन के द्वारा भी यह इंफेक्शन न फैले, इसकी हम कोशिश

कर रहे हैं कि ब्लड ट्रांसफ्यूजन में इंफेक्शन न हो और किसी और को वह न हो जाए, इस तरह की बात है। मेडिसिन का जहां तक सवाल है, it varies from individual to individual because resistance capacity of every person is different. उसके लिए अलग-अलग किस्म की मेडिसिंस हैं और वे मेडिसिंस हम अवेलेबल कराते हैं।

**श्री भूपिंदर सिंहः** चेयरमैन सर, माननीय मंत्री जी ने यहां जो सवाल का जवाब रखा है, पीलिया की जो बीमारी है, वह बढ़ती जा रही है, इसमें कोई दो राय नहीं है। हम रोज टी0वी0 में देखते हैं और न्यूजपेपर में पढ़ते हैं। लेकिन यहां जो जवाब रखा है, इसमें एल्कोहल के, शराब के सेवन को आपने कारण बताया और दूसरा, औषधि की जो प्रतिक्रिया है, जो लोग कभी भी teetotaller हैं, उनको भी जॉंडिस हो रहा है। third generation से ऊपर antibiotics दी जा रही हैं, वे साधारण व्यक्ति को दी जाती हैं, जब वह बीमार होता है, तो क्या यह सच है उसको भी उसके रिएक्शन से जॉंडिस होकर पेशेंट कोमा में जा रहा है? जब जॉंडिस होता है तो इसके लिए आज तक कौन सी स्पेसिफिक मेडिसिंस लोग ले रहे हैं मंत्री महोदय, आप इसके बारे में स्पेसिफिकली बताएं कि मेडिकल साइंस ने कौन सी मेडिसिन बनाई है, जिसको आप सर्टिफाइड मेडिसिन कहेंगे, जिससे जॉंडिस ठीक हो सकता है?

**श्री जगत प्रकाश नड्डाः** जैसा मैंने पहले बताया कि जॉंडिस के जो कारण हैं, Hepatitis ए और ई, यह water contamination के कारण होता है और पानी के द्वारा यह जाता है। इसलिए pure water देना और उसके लिए हैल्थ एजेंसीज को जो वॉटर सप्लाई करते हैं, उनके साथ तालमेल रखते हुए उनको सेंसिटाइज करना और उसकी सारी चीजों को देखना, यह एक हमारा पार्ट है। दूसरा है कि हर डिस्ट्रिक्ट में हमारा Surveillance Centre है, जो सर्विलेंस सेंटर इसकी चिंता करता है कि वॉटर ठीक जा रहा है या नहीं जा रहा है और उसकी दृष्टि से हमको वहां से कोई रिपोर्ट मिलती है तो तुरन्त हम एक्शन लेते हैं और स्टेट को हम सपोर्ट करते हैं। जहां तक ब्लड से जाने वाले इंफेक्शन का सवाल है, उसको रोकने के प्रयास दो तरीके से किए गए हैं। For younger generation, under the Universal Immunisation Programme (UIP), में Hepatitis बी का हम इंजेक्शन देते हैं, ताकि बड़े होकर they should not be the carriers of hepatitis B and C, और हम उस दृष्टि से हम काम करते हैं। लेकिन जो ब्लड blood transfusion के थ्रू और sexual route के थ्रू भी होता है, इसके लिए अलग ब्लड ट्रांसफ्यूजन होता है, तो हमने मेन्डेटरी कर दिया है कि every unit जिसमें ब्लड का ट्रांसफ्यूजन होगा, उसमें Hepatitis B, C and HIV virus, इन तीनों की चैकिंग होना मेन्डेटरी है, Only then can the blood transfusion take place. तो उस तरीके से भी हमने रोकने का प्रयास किया है। इसके लिए हम blood banks को strictly monitor कर रहे हैं, licensing भी मॉनिटर कर रहे हैं और हम उसको देख रहे हैं।

जहां तक एल्कोहल का सवाल है, abuse of alcohol is one of the reasons. उसके लिए sensitization programme चलता है, anti-alcohol drives चलते हैं, हैल्थ डिपार्टमेंट उसको अग्रसर होकर करता है। जहां तक दवाई का सवाल है, उसमें हम लोगों ने यह कोशिश की है कि यह जो "एक्स्ट्रा" जिसको बोलते हैं, right type of medicines का प्रयोग न करना या जिस तरीके से हम कहते हैं कि extra use of medicines जो करते हैं उस दृष्टि से हम सेंसेटाइज़ करने की कोशिश करते हैं। But that is one of the reasons.

MR. CHAIRMAN: I think, the hon. Member wants you to write a prescription for him.

SHRI JAGAT PRAKASH NADDA: Sir, I am not a doctor to prescribe but, yes, Sofosbuvir 400 MG is one of the prescribed medicines. Ledipasvir 90 MG is also one of the medicines, and, Daclatasvir 30/60 MG is also one of the medicines. But I am not the person to prescribe it.

MR. CHAIRMAN: Quite right. ...*(Interruptions)*... Now, Shri Ripun Bora.

SHRI RIPUN BORA: Sir, through you, I want to say to the hon. Minister that the prices of 108 life-saving drugs, including drugs for Jaundice, Hepatitis A and Hepatitis B, have risen by 10 to 100 times, after the Prime Minister, Shri Narendra Modi's visit to America. Sir, I want to ask from the hon. Minister: What steps has the Government taken to control these prices?

SHRI JAGAT PRAKASH NADDA: Sir, that is done by the Department of Pharmaceuticals under the Ministry of Chemicals and Fertilizers, and, if we can have a separate question, we will certainly reply. But NLEM takes care of the essential medicines and the essential medicines come under the NLEM list. We are increasing the NLEM list whereby we are controlling the prices, and, that is done by the Department of Pharmaceuticals.

**Research and development in AYUSH**

*95. SHRI RAMDAS ATHAWALE: Will the Minister of AYURVEDA, YOGA, AND NATUROPATHY, UNANI, SIDDHA AND HOMOEOPATHY (AYUSH) be pleased to state:

(a) the number of herbal medicine research centres functioning in the country at present along with their number engaged in empirical research, State/UT-wise;

(b) whether Government provides training for production, extraction, storage and marketing of herbs, if so, the details thereof;

(c) whether any special scheme has been formulated to promote research in the AYUSH sector particularly for the development of quality, effectiveness and capacity of ayurvedic products; and

(d) if so, the details thereof along with the funds allocated for the said purpose?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF AYURVEDA, YOGA AND NATUROPATHY, UNANI, SIDDHA AND HOMOEOPATHY (AYUSH) (SHRI SHRIPAD YESSO NAIK): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.